

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥







अथवागुत्तराग्रदन्तमृगसायावर्गस्यायुजावर्गिस्तस्मिन्नर्थेष्ट्याद्यविजितम्॥

[illegible]

ရမပဗုပ္ဖာဂါလသံ၊ ရဟိတံ ခန္ဓဝေဒနာပါရိယ၊ ပါရသေ၊ သွေ၊ နှစ်ဂါ၊ ဟူသော၊ ဝတ္ထုရမံ။

3